B.A. Part - II / Paper - IV / Lecture no - 6.

Topic → सहभागी अवलोकन के गुण -

सहभागी अवलोकन के निम्नलिखित गुण है:-

1) गहन एवं सूक्ष्म अध्ययन - अवलोकनकर्ता समूह का स्वयं सदस्य रूप से लम्बे समय तक भागीदारी निभाता है। अतः उसे समूह की जितनी सूक्ष्म जानकारी प्राप्त हो जाती है, उतनी अन्य प्रविधियों से सम्भव नहीं है।

2) स्वाभाविक व्यवहार का अध्ययन - अवलोकनकर्ता समूह में इतना घुलमिल जाता है कि उसकी उपस्थिति समूह के व्यवहार को किसी भी तरह से प्रभावित नहीं करती अतः उसे समूह के वास्तविक व्यवहार को नजदीकी से देखने व अध्ययन करने का अवसर मिलता है।

3) अधिक विश्वसनीयता - अवलोकनकर्ता स्वाभाविक समूह में रहकर स्वयं अपने नेत्रों से घटनाओं को स्वाभाविक तथा क्रमबद्ध रूप से घटते हुए देखता है। अतः संकलित सूचनाएँ अधिक विश्वसनीय होती हैं।

4) सरल अध्ययन - इस प्रविधि में अवलोकनकर्ता घटनाओं एवं परिस्थितियों का सरलता से अवलोकन कर सकता है। इसी कारण से

Scanned by CamScanner

DATE: / /
PAGE:

अनेक मानवशास्त्रियों एवं समाजशास्त्रियों ने कोई समुदायों, जन-जातियों एवं सांस्कृतिक समूहों के किसी भी पक्ष का अध्ययन करने में इस विधि का प्रयोग किया।

सहभागी अवलोकन के दोष

1) पूर्ण सहभागिता सम्भव नहीं — हैडेन एवं हर्स्कोविट्स ने इस विधि को पूर्णतया अव्यावहारिक कहा है। यह सत्य भी है जैसे कि जनजातियों के साथ सहभागिता के दौरान उनके रीति-रिवाजों, आदतों मनोवृत्तियों के अनुसार अवलोकनकर्ता का रहना सम्भव नहीं हो सकता है। इसी प्रकार पागलों के अध्ययन के दौरान भी सहभागिता सम्भव नहीं है।

2) व्यक्तिगत प्रभाव — अवलोकनकर्ता अध्ययन समूह में इतना घुलमिल जाता है कि कभी-कभी अवलोकनकर्ता के व्यवहार एवं स्वभाव का प्रभाव समूह के व्यक्तियों के व्यवहार में परिवर्तन ला देता है।

3) अत्यधिक कठिनाई - अवलोकनकर्ता को अध्ययन समूह से सहभागिता प्राप्त करने एवं उनका विश्वास जीतने में काफी समय लगता है तथा अधिक धन भी खर्च करना पड़ता है।

4) सीमित क्षेत्र का अध्ययन — इस विधि से सीमित क्षेत्र का ही अध्ययन सम्भव है। यह सम्भव है कि सभी लोगों का अध्ययन सम्भव नहीं हो।

5) भूमिका सामञ्जस्य में कठिनाई — इस प्रविधि में अवलोकनकर्ता को दो भूमिकाओं का निर्वहन करना होता है। एक भूमिका अवलोकनकर्ता की, तथा दूसरी समूह के सदस्य की। दोनों भूमिकाओं के उचित निर्वहन से ही वह निष्पक्ष सूचनाएँ एकत्रित कर सकता है। मोजर ने लिखा है " सहभागी अवलोकन एक व्यक्तिक उपागम क्रिया है, अतः इसकी सफलता बहुत कुछ अवलोकनकर्ता के व्यक्तिगत गुणों पर निर्भर करती है।"

6) साधारण तथ्यों का छूट जाना — इस प्रविधि में अवलोकनकर्ता कभी-कभी अध्ययन समूह से घनिष्ठता के चलते महत्वपूर्ण तथ्यों को सामान्य समझकर छोड़ देता है, जबकि वे तथ्य अध्ययन की दृष्टि से महत्वपूर्ण होते हैं।

Sarita Kumari
15/4/20.